

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
----------------	---------------------------------------	--

5

13/11/25

फत्रावली पेश हुई। वकील प्रतिवादीगण उपस्थित। वादी/पेरोकार सरकार अनुपस्थित। राजद्वि में एक अंतिम अवसर दिया जाता है; अन्यथा प्रकरण अदम हाजरी अदम फरवी में खारिज किया जावेगा। फत्रावली वाले बख्त आपत्र 07/21/11 CPC अंतिम अवसर दि. 18/11/25 को पेश हो।

मौखिक
[Signature]

[Signature]
उपखण्ड अधिकारी
पिड़ावा, जिला झालावाड़ (राज.)

18/11/25

फत्रावली पेश हुई। वादी पेरोकार सरकार पुनः absent। तीन बार क्लक क्लक कर आवाज दी गई फिर भी कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। मौखिक रूप से भी सूचना दी गई फिर भी absent। तब विगत 06 तारीख पोशिया से भी लगातार absent चल रहे हैं। राफाहित की फरवी के इच्छुक नहीं होना चाहिए होता है। वकील प्रतिवादीगण द्वारा वादी को लगातार 07 पोशिया ले absent रहने पर भी अदम हाजरी, अदम फरवी से dismiss नहीं करने पर कड़ी आपत्ति की और इसे कानूनी प्रावधानों के विरुद्ध होने का कथन किया। अतः माफी सर्वोच्च न्याय्य द्वारा prem kishore v/s Bhrum prakash (2023), Sureshchandro no. patel v/s state of Gujarat मामले से तथा jinnatul-nisa v/s ADJ pratapgarh (2013) मामले से झालावाड़ हाई कोर्ट,



केस
माननीय ~~जिस्टिस~~ उच्च न्यायालय द्वारा K.P. Ahmed
Kunji v/s Sheela pradeepan (2021) मामले में एवं
माननीय बिना उच्च न्यायालय द्वारा J.C. Madan
v/s Supreme Court Bar Association (2015) मामले
में अभिनवधरित किया है कि "A suit can
be dismissed for default if the plaintiff does
not appear when the suit is called for
hearing. The dismissal for default signifies
that the plaintiff has shown a lack of interest
in prosecuting the suit which can lead to a
final order of dismissal."

उपरोक्त विवेचन एवं विश्लेषण से
आधार पर वादी पक्षीकाल लक्ष्मी वाड अंतर्गत
आदेश 9 नियम 8 CPC (non appearance of plaintiff)
में खारिज किया जाता है। पदावली पेंशन
शुभा (होकर मन्थर से काम होकर वाड
तारीख नमो/मय दारखीय दफतर हो।



[Signature]
18/11/25
उपखण्ड अधिकारी
पिंपरी, जिला महाराष्ट्र (राज.)